BZYCT-131

सत्रीय कार्य पुस्तिका

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.एससी.जी.)
प्राणी विविधता

1 जुलाई, 2020 से 30 जून, 2021 तक वैध

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली – **110 068**
(2020-2021)

प्रिय विद्यार्थी,

आपके नामांकन के बाद हमने आपको स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं, सतत मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का **एक सत्रीय कार्य** हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसमें दो भाग हैं, भाग क और भाग ख। दोनों भागों के कुल अंक 100 हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए आपको 35% अंक चाहिए।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी TMA उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : ……………………………..

नाम : ……………………………..

पता : ……………………………..

……………………………..

……………………………..

पाठ्यक्रम कोड : ……………………………

पाठ्यक्रम शीर्षक : ……………………………

सत्रीय कार्य कोड : ……………………………

अध्ययन केंद्र : ……………………………   दिनांक : ………………………

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गए प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपने उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो बहुत पतला न हो।

3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 cm जगह छोड़ें।

4) आपके उत्तर सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।

5) इस सत्रीय कार्य के भाग क और भाग ख हल करें, और **भाग क और भाग ख सहित संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**

6) आपको अपनी सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका दिए गए समय के भीतर जमा करनी है। **वैध तिथि के बाद** सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नहीं ली जायेगी।

हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।

7) यह सत्रीय कार्य **01 जुलाई, 2020 से 30 जून, 2021 तक वैध** है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं हो पाते या इसे 30 जून, 2021 से पहले जमा नहीं कर पाते तो फिर आपको **2021-22** का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।

8) यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो **आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे।**

हमारी शुभकामानाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य
प्राणी विविधता

पाठ्यक्रम कोड : BZYCT-131
सत्रीय कार्य कोड : BZYCT-131/TMA/2020-2021
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न कीजिए। हर प्रश्न के आगे अंक दिए गए हैं

भाग–क **कुल अंक : 50**

1. उपयुक्त शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (10)

   i) पाचन की विधि *ब्रेंकियोस्टोमा* में .... होती है।

   ii) इलैस्मोब्रैन्क में .... मुख होता है।

   iii) स्पंज शरीर के ऊपर .... का बना एक बाहरी एपिथीलियम परत का आवरण चढ़ा होता है।

   iv) *फाइलेरियल वर्म* की .... रक्त एवं लिम्फैटिक तंत्र में सूक्ष्म माइक्रोफाइलेरिया को मुक्त करती है।

   v) बिच्छुओं के कंघी जैसे संवेदी अंग .... कहलाते हैं।

   vi) मिलिपीडों के समेकित जोड़ी के मेक्सिला को .... कहते हैं।

   vii) नौटिलॉइडिया उपक्लास के अंतर्गत .... ही एक मात्र जीवित जीनस आती है।

   viii) सेफ़ैलोपोडों में एक जोड़ी .... हृदय, रक्त को गिलों में से प्रवाहित करते हैं।

   ix) हेमिकॉर्डेटों में वृक्क .... होते हैं।

   x) .... का बाइपिन्नेरिया लार्वा टॉर्नेरिया लार्वा के समान होता है।

2. ऐम्फिबियनों में अभिभावकीय रक्षण का विवरण दीजिए। (10)

3. परजीवी अनुकूलन क्या है? *ऐस्कैरिस लम्ब्रीकॉयडीस* में परजीवी अनुकूलन की व्याख्या कीजिए। (10)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : (10)

   (क) ऐरेक्निडा के पुस्तफुफ्फुस

   (ख) बिच्छुओं के पेक्टीन

5. विमोटन का क्या अर्थ हैं? इस प्रक्रम का विस्तार से वर्णन कीजिए। (10)

भाग–ख **कुल अंक : 50**

6. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं अथवा असत्य (10)

   i) कपाल और युग्मित उपांगो की उपस्थिति ऐग्नाथा का विशिष्ट गुण है।

   ii) गोनैन्ज़ियम लैंगिक रूप से प्रजनन करते हैं।

iii) क्रस्टेशियनों के उत्सर्गी अंगों को उनके स्थान के अनुसार ऐंटिनरी, अथवा मैक्सिलरी ग्रंथियां कहते हैं।

iv) कीटों के दो जोड़ी पंख होते हैं जो अग्रवक्ष तथा मध्यवक्ष से जुड़े होते हैं।

v) अग्रवक्ष ग्रंथियों का स्राव कीटों में कायांतरण का नियमन करता है।

vi) उपफाइलम यूनिरेमिया के अंतर्गत आने वाले पांच क्लासों के नाम लिखिए।

vii) बाइवैल्वों के परिवर्धन में एक ट्रोकोफ़ोर तथा एक वेलिजर लार्वा होते है।

viii) सेफ़ैलोपोडों के रक्त में हीमोसाएनिन होता है।

ix) ब्रिटिल-स्टारों में नालपाद संचलन में सहायता करते हैं।

x) अरस्तु की लालटेन समुद्री अर्चिनों का एक संहत चर्वण अंग होती है।

7. पोरिफ़ेरा में नाल तंत्र का वर्णन कीजिए। (10)

8. क) फाइलम सीलियोफोरा के संक्षिप्त लक्षण बताइए। (5)

ख) हेमिकॉर्डेटों की इकाइनोडर्मों के साथ बंधुताओं को लिखिए। (5)

9. पक्षियों के विशिष्ट अनुकूलनों का वर्णन कीजिए जिनके कारण वे उड़ सकते हैं। (10)

10. क) उन आवश्यक अनुकूलनों का वर्णन कीजिए जिसके कारण सरीसृपों का जल से थल पर पूर्ण आगमन संभव हो सका। (5)

ख) निम्नलिखित युग्मों के बीच अंतर लिखिए : (5)

i) आर्डर पैरीसौडैक्टाइला तथा आर्डर आर्टीओडैक्टाइला

ii) इन्फ्रकलास यूथीरीया तथा इन्फ्राक्लास मेटाथीरिया